

**1801130301040001**  
**EXAMINATION FEBRUARY-MARCH 2024**  
**MASTER OF ARTS (HINDI) (FIRST SEMESTER)**  
**MODERN HINDI POETRY - LEVEL 4**  
**KAMAYANI, JAYDRATHA VARDH**

[Time: As Per Schedule]

[Max. Marks: 50]

**Instructions:**

1. Fill up strictly the following details on your answer book

a. Name of the Examination: **MASTER OF ARTS (HINDI)**  
**(FIRST SEMESTER)**

b. Name of the Subject: **MODERN HINDI POETRY – LEVEL 4**  
**KAMAYANI, JAYDRATHA VARDH**

c. Subject Code No: **1801130301040001**

2. Sketch neat and labelled diagram wherever necessary.

3. Figures to the right indicate full marks of the question.

4. All questions are compulsory.

Seat No:

--	--	--	--	--	--

Student's Signature

**Q.1 निम्नलिखित वैकल्पिक प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए। (किन्ही पाँच)**

**10**

- 1) 'कामायनी' का प्रारंभ कौन से सर्ग से किया गया है?  
(A) दर्शन (B) लज्जा  
(C) चिंता (D) वासना
- 2) मनु श्रद्धा को कौन सी अवस्था में छोड़कर चला जाता है?  
(A) गर्भावस्था (B) युवावस्था  
(C) वृद्धावस्था (D) कोई नहीं
- 3) प्रजापति के रूप में मनु कौन से नगर का पुनःनिर्माण करता है?  
(A) हिमाचल प्रदेश (B) सारस्वत प्रदेश  
(C) मध्य प्रदेश (D) उत्तर प्रदेश
- 4) 'उषा सुनहले तीर बरसाती' जय लक्ष्मी सी उदित हुई-काव्य पंक्ति में कौन सा अलंकार है?  
(A) उपमा (B) रूपक  
(C) उत्प्रेक्षा (D) मानवीकरण

- 5) 'जयद्रथ वध' का काव्य प्रकार बताइए।  
 (A) महाकाव्य (B) खंडकाव्य  
 (C) मुक्तक काव्य (D) चम्पू काव्य
- 6) अर्जुन ने जयद्रथ का वध किससे किया?  
 (A) पाशुपत (B) गदा  
 (C) तलवार (D) बंदूक
- 7) जयद्रथ कहाँ के राजा थे?  
 (A) अयोध्या (B) हस्तिनापुर  
 (C) सिंधु प्रदेश (D) दिल्ली
- 8) जयद्रथ के पिता का नाम क्या था?  
 (A) पांडू (B) धृतराष्ट्र  
 (C) वृद्धक्षत्र (D) दशरथ

**Q.2** "कामायनी" की कथा में इतिहास और कल्पना का समन्वय मिलर है"-  
 इस विधान को परखिये। **13**

**अथवा**

श्रद्धा का चरित्र चित्रण किजिए।

**Q.3** अर्जुन की चरित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **13**

**अथवा**

भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'जयद्रथ वध' काव्य का मूल्यांकन कीजिए।

**Q.4** टिप्पणी लिखिए। **14**

1) 'कामायनी' का आरंभ और अंत।

**अथवा**

1) छायावाद की विशेषताएँ।

2) द्विवेदीयुगीन काव्य में गुप्तजी का स्थान।

**अथवा**

2) 'जयद्रथ वध' काव्य के गौण पात्र।

\*\*\*\*\*